(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 79 | देहरादून, शनिवार 08 अक्टूबर 2022 | पृष्ठ : 12

फसल अवशेष प्रबंधन पर जागरुकता अभियान, कृषक-वैज्ञानिकों ने गांव स्तरीय निकाली जागरुकता रैली

दि ग्राम टुडे, संवाददाता।

कानपुर।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम भगवंतपुर में फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि किसान भाई पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं एवं अपनी पराली में बिल्कुल भी आग न लगाएं । जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है एवं आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है।इस अवसर पर डॉ ए के सिंह ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ–साथ उस में उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं।

इसी क्रम में वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं तथा वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है। यह मशीनें हैप्पी सीडर,सुपर सीडर एवं मल्चर आदि है।इस कार्यक्रम में गांव के किसानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। एवं खेती किसानी, पशुपालन तथा बागवानी से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम के अंत में गांव में एक फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता रैली भी निकाली गई जिसमें किसानों ने शपथ ली कि फसल अवशेषों को आग नहीं लगाएंगे। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक सुरेंद्र कुमार, सालिक राम, राम शंकर, सियाराम एवं मुन्नीलाल सहित एक सैकड़ा किसान उपस्थित रहे।

अमर उजाला कानपुर देहात 08/10/2022

अपील

बगवंतपुर गांव में अवशेष प्रबंधन पर निकाली गई जागरूकता रैली

पराली जलाने की जगह खेतों में मिलाकर बढ़ाए उर्वरा शक्ति

संवाद न्यूज एजेंसी

रसूलाबाद। किसान पराली को खेतों में मिलाकर उर्वरा शक्ति बढ़ाएं। इसे आग में न जलाएं। इससे पर्यावरण प्रदूषित होता है और खेत के आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है। यह बातें कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कहीं। कार्यक्रम के बाद फसल अवशेष प्रबंधन पर जागरूकता अभियान के तहत किसानों व वैज्ञानिकों ने गांव स्तरीय जागरूकता रैली निकाली।

कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की तरफ से भगवंतपुर गांव के देवस्थान परिसर में फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. एके सिंह ने बताया कि फसल अवशेष खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं, जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ ही उस पर उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं।

किसानों के साथ जागरूकता रैली निकालते कृषि वैज्ञानिक। संवाद

वैज्ञानिक डॉ. निमिषा अवस्थी ने बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं, जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं। वेस्ट डी कंपोजर से फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है। कार्यक्रम में गांव के किसानों ने हिस्सा लिया। अंत में गांव में जागरूकता रैली निकाली गई। इसमें किसानों ने फसल अवशेषों को न जलाने की शपथ ली। इस दौरान सुरेंद्र कुमार, सालिक राम, राम शंकर, सियाराम व मुन्नीलाल समेत तमाम किसान मौजूद रहे।

आज कानपुर 08/10/2022 महा

फसल अवशेषों को खेतों में मिलाएं,बढ़ेगी उर्वरा शक्ति

वैज्ञानिकों के साथ कृषकों ने निकाली जागरूकता रैली

कानपुर, 7 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम भगवंतपुर में फसल अवशेष प्रबंधन पर

रैली निकालते ग्रामीण व वैज्ञानिक।

ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि किसान भाई पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं एवं अपनी पराली में बिल्कुल भी आग न लगाएं । जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है एवं आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है।इस अवसर पर डॉ ए के सिंह ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ उस में उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं। इसी क्रम में वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं तथा वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है। यह मशीनें हैप्पी सीडर,सुपर सीडर एवं मल्चर आदि है।इस कार्यक्रम में गांव के किसानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। एवं खेती किसानी, पशुपालन तथा बागवानी से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम के अंत में गांव में एक फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता रैली भी निकाली गई। जिसमें किसानों ने शपथ ली कि फसल अवशेषों को आग नहीं लगाएंगे। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक सुरेंद्र कुमार, सालिक राम, राम शंकर, सियाराम एवं मन्नीलाल सहित एक सैकड़ा

सूचना

फ्यूलटर्न इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड के निर्देश के तहत सूचित किया जाता है कि श्रीमती गीता यादव पत्नी श्री राजेश यादव, मकान संख्या 117/एन/24डी काकादेव, रानीगंज, कानपुर 121/39 वर्ग मी0 की मालिका है। श्रीमती गीता यादव अपनी उपरोक्त सम्पत्ति को फुलटर्न इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड के हक में बन्धक रखकर ऋण प्राप्त कर रही हैं यदि संपत्ति उपरोक्त किसी भाग में किसी भी व्यक्ति या संस्था आदि का कोई क्लेम/हक है तो अनुरोध है कि वह 7 दिन के अन्दर निम्न पते पर सूचित करें। निर्धारित समयावधि में दावा प्रस्तुत न कर पाने की स्थिति में यह माना जायेगा कि दावा छोड़ दिया गया है। **भारत भटनागर** एडवोकेट चेम्बर नम्बर 4 मोती लाल अधिवक्ता भवन सिविल कोर्ट कंपाउंड सिविल कोर्ट कानपुर नगर। मो.9839034426

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

देश के कुल दुग्ध उत्पादन में पूर्वांतर की... 12

पेरोल पर छूटकर आया और हत्या करके फिर जेल... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 351
मूल्य: ₹ 3.00/-
पेज : 12
शनिवार | 08 अक्टूबर, 2022

किसानों को पराली में आग न लगाने की दी सलाह

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम भगवंतपुर में बीते दिन फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि पराली को खेतों में मिलाकर खेत की उर्वरा शक्ति को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पराली को आग ना लगाएं, क्योंकि इससे पर्यावरण प्रदूषित होने के साथ आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है। डॉ. ए. के. सिंह ने किसानों को बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं यह खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ उसमें उत्पादित उपज की गुणवत्ता को बढ़ाते हैं। वैज्ञानिक डॉ.निमिषा अवस्थी ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं तथा वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है। इस अवसर पर गांव में एक फसल अवशेष प्रबंधन पर जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें किसानों ने फसल अवशेषों को आग न लगाने की शपथ ली। कार्यक्रम में प्रगतिशील कृषक सुरेंद्र कुमार, सालिक राम, राम शंकर, सियाराम एवं मुन्नीलाल सहित एक सैकड़ा किसान मौजूद रहे।